हिन्दी पाक्षिक

सेमन्या कण्वघाटी

RNI No.: UTTHIN/2013/54659

वर्ष-11 अंक-18 हरिद्वार, गुरूवार, 01 अगस्त, 2024 मूल्य-दो रूपया मात्र पृष्ठ-8

सीएम ने हरिद्वार में शिवभक्त कांवड़ियों के चरण धोकर किया स्वागत

मुख्यमंत्री ने दीं सुगम, सुरक्षित कांवड़ यात्रा की शुभकामनाएं

देहरादून (संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को ओम पुल घाट निकट डामकोठी, हरिद्वार में विभिन्न प्रदेशों से आये शिवभक्त कावड़ियों के चरण धोने के साथ माल्यार्पण, शॉल तथा गंगाजली भेंट कर उनका स्वागत किया। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों से उत्तराखंड आए कावड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि हरिद्वार पूरे देश की श्रद्धा का केंद्र है। इस पवित्र स्थल पर मां गंगा एवं भगवान भोलेनाथ का विशेष आशीर्वाद है। श्रावण मास में कावड़ यात्रा का विशेष महत्व है। राज्य सरकार को कावड़ियों का स्वागत करने का सौभाग्य मिला है। कावड़ यात्रा को सुगम सुरक्षित बनाकर सरकार इस यात्रा में कावड़ियों का सहयोगी बनकर कार्य कर रही है। कावड़ियों की सेवा करना सभी के लिए पुण्य का काम है। उन्होंने पुष्प वर्षा से कांवडियों के स्वागत को देवभूमि की अतिथि देवो भव: की परम्परा बतायी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवाधिदेव महादेव की कृपा हम पर बनी रहे। उन्होंने शिवभक्तों से अपील की कि हम व्यवस्था के साथ जुड़कर यात्रा का न केवल आनंद लें, बल्कि श्रद्धा-विश्वास के साथ आत्मानुशासन का परिचय देते हुए पावन श्रावण मास के कांवड़ यात्रा कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने में योगदान दें। मुख्यमंत्री ने कांवड यात्रा में शामिल सभी भक्तों को सुमग, सुरक्षित यात्रा की मंगलमय शुभकामनाएं भी दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि असीम श्रद्धाभाव के साथ देश के अलग-अलग भागों से श्रद्धालु कांवड़ यात्रा पर आ रहें हैं जो कि श्रद्धा व आस्था के साथ ही देश की आन बान शान तिरंगा भी साथ लेकर चल रहे हैं। उन्होंने यातायात के नियमों तथा शासन प्रशासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का अनुपालन करने की अपील भी कावड़ यात्रियों से की है।

मुख्यमंत्री ने ओम पुल घाट पर आयोजित शिव समागम कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार आस्था एवं विकास के साथ सनातन संस्कृति के संरक्षण का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा सभी कांवड़ श्रद्धालु गंगा जल लेकर भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। कांवड़ मेले के सुचारू प्रबंधन के लिए मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन, संत महात्माओं, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संस्थाओं, स्वयं सेवी संस्थाओं के सहयोग की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कावड़ यात्रा के लिए विभिन्न स्थानों पर स्वास्थ्य कैंप, शौचालय, पार्किंग, टीन शेड, विश्राम स्थल की पर्याप्त व्यवस्था की है। पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष व्यवस्थाओं को और अधिक सुधारा गया है।

उन्होंने कहा पिछले वर्ष कावड़ यात्रा में करीब चार करोड़ कांवड़िए उत्तराखंड आए। भगवान भोलेनाथ की कृपा से पिछले वर्ष की यात्रा सकुशल संपन्न हुई। उन्होंने कहा इस वर्ष भी बड़ी संख्या में कांवड़ियों के उत्तराखंड आने का अनुमान है। जिसके लिए शासन प्रशासन पूरी तरह तैयार है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराखंड से विशेष लगाव है। उनके नेतृत्व में भव्य एवं दिव्य केदारनाथ का निर्माण हुआ है। बद्रीनाथ में मास्टर प्लान पर कार्य चल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। काशी विश्वनाथ, महाकाल जैसे विभिन्न मंदिरों का पुनर्निर्माण कार्य भव्यता के साथ किया गया है। शीघ्र ही हरिद्वार ऋषिकेश केरिडोर का कार्य प्रारम्भ हो जायेगा इससे आने वाले समय में कांवड़ यात्रियों को और अधिक सुविधा होगी। इस अवसर पर विधायक मदन कौशिक, पूर्व मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद, भाजपा जिलाध्यक्ष संदीप गोयल, आदेश चैहान, जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल, एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोभाल आदि शामिल रहे।

वरिष्ठ नागरिक सामाजिक संगठन ने की सेवानिवृत्त भेल कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने की मांग

हरिद्वार, संवाददाता। वरिष्ठ नागरिक सामाजिक संगठन ने भेल कार्यपालक निदेशक को ज्ञापन देकर सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं को दूर करने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान संगठन के अध्यक्ष चौधरी चरण सिंह ने कहा कि भेल मुख्य चिकित्सालय आने जाने के लिए कोई साधन नहीं है। किस कारण सेवानिवृत्त कर्मचारी चिकित्सीय परामर्श और दवाइयों से वंचित रह जाते हैं। इसके लिए सेक्टर-2 से मुख्य चिकित्सालय तक ई-रिक्शा का संचालन कराया जाए। अस्तपाल में हड्डी रोग विशेषज्ञ व त्वचा रोग विशेषज्ञ चिकित्सक की तैनाती की जाए। ओपीडी में प्रत्येक रोगी का ब्लड प्रेशर चेक करने के निर्देश दिए जाएं। चिकित्सक द्वारा बाहर से दवा लिखने पर उसका भुगतान भेल द्वारा किया जाए।

चौधरी चरण सिंह ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक सामाजिक संगठन की और भेल से सेवानिवृत्त वरिष्ठ जनों के अस्तपाल आने जाने के लिए नि:शुल्क ई-रिक्शा सेवा शुरू की गयी है। ई-रिक्शा को भेल परिसर में आने जाने की स्वीकृति प्रदान की जाए। संगठन की और भेल प्रबंधन द्वारा समस्याओं के समाधान के लिए प्रति सप्ताह जनता दरबार आयोजित किए जाने के निर्णय का स्वागत करते हुए कार्यपालक निदेशक टीएस मुरली का आभार भी व्यक्त किया गया। ज्ञापन सौंपने वालों में विद्यासागर गुप्ता, हरदयाल अरोड़ा, बाबूलाल सुमन, एससीएस भास्कर, चौधरी चरण सिंह, रामसागर सिंह, सुभाषचंद्र ग्रोवर, सुखबीर सिंह आदि शामिल रहे।

युवती ने काली नदी में छलांग लगाकर की आत्महत्या, वीडियो वायरल

पिथौरागढ़, (संवाददाता)। जिले में भारत से लगे नेपाल के दार्चुला शहर में एक युवती का काली नदी में छलांग लगाते हुए वीडियो सामने आया है। इसमें वह नदी के किनारे खड़ी दिखाई दे रही है और ऊपर से लोग उसे वापस आने के लिए समझा रहे हैं लेकिन युवती किसी की नहीं सुन रही है। जैसे ही नेपाल पुलिस का एक जवान उसे बचाने के लिए उसके नजदीक जाता है, वैसे ही वह नदी में छलांग लगा देती है। देखते ही देखते युवती काली नदी के तेज बहाव में गायब हो जाती है। नदी में कूदकर सुसाइड करने का यह वीडियो युवती को समझा रहे लोगों ने ही बनाया है।

मिली जानकारी के अनुसार, नदी में कूदने वाली युवती का नाम सुजीता कुंवर है, जिसकी उम्र 25 साल बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शी बताते हैं कि युवती को समझाने की बहुत कोशिश की गई लेकिन वह किसी की बात नहीं सुन रही थी। जैसे ही एक पुलिस जवान उसे पकड़ने के लिए नजदीक गया, उसने नदी में छलांग लगा दी। नदी के तेजबहाव में वह बह गई। अभी तक उसका कुछ पता नहीं चल सका है। युवती ने नदी में कूदकर क्यों जान दी,इन कारणों की जांच की जा रही है।

शराब के जखीरे समेत दो गिरफ्तार

हरिद्वार, संवाददाता। नगर कोतवाली पुलिस, पीएसी और आरएएफकी टीम ने हरकी पैड़ी के समीप एक धर्मशाला में छापामारी कर कांवड़ मेले में अवैध रूप से बेचने के लिए इकठ्ठा किया गया शराब का जखीरा बरामद किया है। कांवड़ डयूटी में तैनात पुलिस, पीएसी और आरएएफकी संयुक्त टीम ने हरकी पैड़ी के समीप गंगा गिरी की हवेली में भारी मात्रा में शराब मौजूद होने और वहां से कांवड़ मेले में सप्लाई किए जाने की सूचना पर कार्रवाई करते हुए छापामारी कर भारी मात्रा में शराब सहित सोनू पुत्र छोटेलाल निवासी लालजीवाला कबाड़ी बस्ती व विक्रम गिरी पुत्र पवन गिरी निवासी गंगा गिरी की हवेली हर की पैड़ी

को गिरफ्तार कर लिया। छापामरी के दौरान दो महिलाओं समेत तीन लोग फरार हो गए। मौके से अंग्रेजी शराब के अलग-अलग ब्रांड के 570 पव्वे, देशी शराब के 175 पव्वे और बीयर की 20 कैन बरामद हुई हैं। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफसंबंधित धाराओं में मुकद्मा दर्ज किया गया है। मौके से फरार हुए आरोपी अंकित पुत्र परदेसी व दोनों महिलाओं की पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस टीम में एसआई संजीव चौहान, हेडकांस्टेबल संजयपाल व रमेश चौहान शामिल रहे।

सम्पादकीय

संतुलित भाषा

एक मितभाषी व्यक्ति समस्याओं या समस्याजन्य विभिन्न प्रकार के तनावों से बचा रहता है। इससे वह जीवन में अपेक्षाकृत अधिक स्वस्थ रहता है और अधिक सफलता प्राप्त करने व निरंतर उन्नति करने में भी सक्षम होता है। यदि हम कम, संतुलित और सार्थक बोलेंगे तो हमारी करनी और कथनी में अंतर नहीं रहेगा। इससे समाज में न केवल हमारी विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा बढ़ेगी, बल्कि हमारे आत्मसम्मान में भी वृद्धि होगी, जो हमारे अपने विकास और हर प्रकार की सफलता के लिए अत्यंत अनिवार्य और महत्वपूर्ण है। यदि हम चाहते हैं कि ऊर्जावान और कर्मशील रहें और मनसा वाचा कर्मणा संतुलित बने रहें तो हमें कम और केवल उचित सोच-विचार करने के बाद ही बोलना चाहिए। कम बोलने के साथ-साथ सार्थक और उपयोगी विषयों पर बोलना ही हमारे हित में होगा। हमारे बोलने या बातचीत करने का ढंग भी ठीक होना चाहिए। हमारी बातचीत में शालीनता और शिष्टता भी होनी चाहिए। हमारे अधिकांश संबंध बातचीत में असावधानी और अधिक बोलने, निरर्थक बोलने व बातचीत के दौरान किसी का दिल दुखाने के कारण ही बिगड़ते हैं। इसलिए अप्रिय या कटु संभाषण भी कदापि नहीं करना चाहिए। इसमें संदेह नहीं कि मितभाषिता की बदौलत अनेक समस्याओं से मुक्ति पाना और अपेक्षाकृत अधिक संतुष्टि बनाए रखना संभव है।

बुक पढ़ने के उद्देश्य को पहचानें

नियमित रूप से किताबें पढ़ना न सिर्फ आपकी कल्पना को बढ़ाता है और याददाश्त में सुधार करता है बल्कि इसकी मदद से तनाव से भी छुटकारा मिलता है। एक बेहतर पाठक बनने के लिए आपको धैर्य, समय और अभ्यास की जरूरत होती है और ये गुण आपके समग्र शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर रखने में काफी मदद कर सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी टिप्स देते हैं, जिन्हें अपनाकर आप कोई भी बुक ध्यानपूर्वक पढ़ सकते हैं।

धीरे-धीरे पढ़ें

अगर आपने हाल ही में बुक पढ़ने में रूचि दिखाई है तो इसे धीरे-धीरे और ध्यान से पढ़े क्योंकि इससे आपको स्टोरी को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी। तेजी से पढ़ने से आपके लिए यह समझना मुश्किल हो जाएगा कि आप क्या पढ़ रहे हैं। धीरे-धीरे पढ़ने से एकाग्रता क्षमता में भी सुधार होता है। वहीं, अगर आप किसी भी जानकारी को प्राप्त करने में असमर्थ होते हैं तो स्टोरी के पैसेज को दोबारा पढ़ें।

पढ़ते समय अपने पास एक पेन/पेंसिल रखें

पढ़ते समय चीजों को नोट डाउन करने से आपको बुक को बेहतर और गहराई से समझने में काफी मदद मिल सकती है।

इसलिए बुक पढ़ते समय अपने पास एक पेन/पेंसिल जरूर रखें। इसके अतिरिक्त, आप जिन नए शब्दों को सीखना चाहते हैं, उन्हें नोट कर लें और डिकशनरी में से उनका अर्थ जानें। वहीं, अपने कुछ पसंदीदा वाक्यों को हाइलाइट करें ताकि आप उन्हें कभी भी बिना किसी परेशानी के खोज सकें।

ध्यान भटकाने वाली चीजों से बनाएं दूरी

बुक पढ़ते समय अपना स्मार्टफोन खुद से दूर रखें क्योंकि इसकी वजह से आपके लिए बुक की स्टोरी पर ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो सकता है। बेहतर होगा कि जब भी कोई भी बुक पढ़ने बैठें तो अपने मोबाइल को किसी अन्य कमरे में रखें। इसके अतिरिक्त, हमेशा एक शांत और अच्छी रोशनी वाली जगह पर ही बुक पढ़ने बैठें ताकि आप उसकी स्टोरी को बेहतर तरीके के समझ सकें। इस तरह आपका ध्यान नहीं भटकेगा।

जोर से पढ़ने की कोशिश करें

अगर आप अपने पढ़ने के कौशल में सुधार करना चाहते हैं और स्टोरी को गहराई से समझना चाहते हैं तो इसे जोर से पढ़ें। यह तरीका आपके उच्चारण को बेहतर बनाने में मदद करेगा और इससे आपको जटिल विषय को समझने में भी मदद मिलगी। हालांकि, यह प्रक्रिया समस्याग्रस्त हो सकती है। आप इस तरीके को आसानी से घर पर अपना सकते हैं। आपके पढ़ने के पीछे का कारण आपके पढ़ने के तरीके को प्रभावित कर सकता है। आनंद के लिए नोवल पढ़ना या काम या स्कूल के लिए कोई बुक पढ़ना आपको अलग अनुभव प्रदान कर सकता है। अगर आप अपनी ग्रामर का अध्ययन या उच्चारण का अभ्यास करना चाहते हैं तो कोई ऐसी बुक पढ़ें, जो आपकी शब्दावली और उच्चारण की स्पीड बढ़ाए।

भारत से बाढ़ की प्राकृतिक त्रासदी,कमजोर आपदा प्रबंधन

संजीव ठाकुर
(कोचिंग सेंटर मौत का हादसा)

पानी के उत्प्लावन से दिल्ली का सदैव बुरा हाल रहा है। दिल्ली शहर में वर्षा के पानी के एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में में जल भराव से तीन युवा छात्रों की मौत ने छात्र जगत में हाहाकार मचा दिया है, सरकार अब जाकर कार्यवाही और सुधार कार्य कर रही है, नुकसान तो बड़ा हुआ है खैर जब जागो तब सवेरा हुआ ।भारत में कई वर्षों से भीषण प्राकृतिक वर्षा के फल स्वरुप बाढ़ भूस्खलन और नदियों में उफान आने से उत्तरांचल ,उत्तराखंड, दिल्ली और पंजाब भीषण त्रासदी झेल रहे हैं और बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु भी हो गई है ।विश्व में कई देशों में अतिवृष्टि से बाढ़ का प्रकोप होता है लैंडस्लाइडिंग भी होती है पर सर्वाधिक मृत्यु भारत में ही होती है। भारत में भूकंप के झटके भी लगते हैं कई बार भूकंप भी आता है और जान माल की हानि होती है।

यह ऐसा तो है नहीं कि अति वर्षा कई सालों में एक बार होती हो, वर्षा, बाढ़ तथा लैंडस्लाइडिंग का प्रकोप हर वर्ष अखबारों में हम पढ़ते हैं और लोगों की मृत्यु होती है तो ऐसे में केंद्र तथा राज्य सरकारों को आपस मैं सामंजस्य कर इस त्रासदी तथा विपदा का पहले से प्रबंध करने की आवश्यकता होनी चाहिए जिससे आमजन को जान माल का कम से कम नुकसान हो सके ।आपदा सदैव अनअपेक्षित घटना होती है। जो मानवीय नियंत्रण से बाहर तथा प्राकृतिक व मानवीय कारकों द्वारा मूर्त रूप दी जाती है। प्राकृतिक आपदा अल्प समय में बिना किसी पूर्व सूचना के घटित होती है, जिससे मानव जीवन के सारे क्रियाकलाप अवरुद्ध हो कर,जान और माल की बड़ी हानि होती है ।आपदा की गहनता, विशालता एवं निरंतरता मानव जीवन तथा समाज, देश को बड़ी हानि पहुंचाते हैं, एवं उस देश की आर्थिक स्थिति में गहरी चोट करते हैं। इन प्राकृतिक आपदाओं से देश की प्रगति पर चोट पहुंचती है। तथा राष्ट्र को आर्थिक रूप से बहुत पीछे खींच कर ले जाती है।

आपदा प्रबंधन में जापान से सीख ली जा सकती है। क्योंकि जापान आपदा प्रबंधन में विश्व में अग्रणी देश माना जाता है। जापान पृथ्वी के ऐसे क्षेत्र में अवस्थित है, जहां भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी जैसी प्राकृतिक आपदाएं सदैव आती रहती हैं। जापान में आपदा प्रबंधन की अत्याधुनिक तकनीक को याकोहामा रणनीति कहा जाता है। जापान में आपदा प्रबंधन की साल भर नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर एक्सरसाइज की जाती रहती है, एवं आपदाओं पर निरंतर निगरानी तथा नजर रखी जाती है,एवं इसके निदान के लिए पूर्व से ही सुनियोजित योजना बनाकर नागरिकों को सुरक्षित कर लिया जाता है। भारत को भी इसी तरह आपदा प्रबंधन को अपनाकर हमें बाढ़, अतिवृष्टि, लैंडस्लाइडिंग तथा भूकंप से पूरी क्षमता कथा विशेषताओं के साथ सामना करना चाहिए।

आपदाओं के प्रति मानवीय सभ्यता के संदर्भ में समाज के आर्थिक सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग को ज्यादा प्रभावित करती है। एवं समाज का सबसे संवेदनशील तबका यानी वृद्ध व्यक्ति, महिलाएं, बच्चों, दिव्यांग लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से सबसे ज्यादा खतरा बना रहता है। आपदा के समय सबसे ज्यादा निम्न आय वर्ग का व्यक्ति तथा मजदूर तबके का व्यक्ति सबसे ज्यादा प्रभावित होकर उसकी दिनचर्या समूह रूप से छिन्न-भिन्न हो जाती है, एवं आर्थिक साधन भी नष्ट हो जाते हैं, जिससे उसे आजीविका का एक बड़ा भय सताने लगता है।

भारत के भू भाग का लगभग 58त्न क्षेत्र भूकंप की संभावना वाला क्षेत्र है, जिसमें हिमालयिन क्षेत्र,पूर्वोत्तर राज्य, गुजरात का कुछ क्षेत्र, अंडमान निकोबार द्वीप समूह भूकंप की दृष्टि से सबसे सक्रीय क्षेत्र रहें है। देश के 65 से 68त्न भूभाग पर कभी कम कभी ज्यादा भीषण रूप से सूखा पड़ता है, इसी तरह भारत के पश्चिमी और प्रायद्वीपीय राज्य में मुख्यत: शुष्क तथा अर्ध शुष्क न्यून नमी वाले क्षेत्र सूखे से सदैव प्रभावित रहते हैं। बाढ़ से प्रभावित भूमि का विस्तार क्षेत्र देश के 12त्न है, यानी 7 करोड़ हेक्टेयर जमीन में भूकंप आने की संभावना सदैव बनी रहती है। हिमालय क्षेत्र देश के पर्वतीय क्षेत्र मैं भूस्खलन की गंभीर समस्या की संभावना सदैव बनी रहती है। देश के विशाल तटवर्ती क्षेत्र में चक्रवात तथा सुनामी की भयावह स्थिति की संभावना सदैव बनी रहती है।अब भारत में विश्व के साथ-साथ करोना संक्रमण की भयानक महामारी से प्रभावित होकर हजारों लाखों नागरिकों की जान गवा कर इस आपदा से जंग लड़ रहा है, यह कोविड-19 की महामारी या आपदा प्राकृतिक है या मानव निर्मित यह तो भविष्य ही बताएगा, किंतु इस महामारी ने पूरे वैश्विक स्तर पर आकस्मिक रूप से मानव जीवन में मृत्यु का तांडव मचा के रख दिया है। ऐसी ही अनपेक्षित आपदाओं का पूर्वानुमान अथवा आकलन किया जाना पहले से संभव नहीं हो सकता है। ऐसे में राष्ट्रीय अन्य योजनाओं के साथ-साथ आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अत्यधिक सावधानी पूर्वक योजना तथा विभाग बनाने चाहिए, देश में जापान जैसे देश की तरह आपदा प्रबंधन से निपटने के लिए अत्याधुनिक आपदा प्रबंधन सिस्टम को तैनात कर तैयार रखने की आवश्यकता होगी भारत को आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विभाग को चुस्त-दुरुस्त तथा अत्याधुनिक तकनीक से युक्त रखने की आवश्यकता है। ऐसे में भारत में मध्यम दर्जे का या निम्न दर्जे का आपदा प्रबंधन सिस्टम किसी भी काम का ना रहेगा, एवं इससे भारी जानमाल की हानि होने की संभावना सदैव बनी रहेगी। भारत में आपदा प्रबंधन के लिए 1990 में कृषि मंत्रालय के अंतर्गत डिजास्टर मैनेजमेंट सेल स्थापित किया गया था। लेकिन 1993 में लातूर के भूकंप तथा 1998 में मालपा के भूस्खलन तथा 1999 में ओडिशा में सुपर साइक्लोन तथा 2001 में भुज के भूकंप के बाद देश में एक मजबूत आपदा प्रबंधन की व्यवस्था की जरूरत को महसूस करते हुए जे,सी, पंत जी की अध्यक्षता में हाई पावर कमेटी की रिपोर्ट में एक सुव्यवस्थित तथा व्यापक सिस्टम तथा विभाग की स्थापना की आवश्यकता प्रतिवेदित की गई थी। 2002 में आपदा को देश की आंतरिक सुरक्षा का मामला मानते हुए आपदा को गृह मंत्रालय के अंतर्गत समाविष्ट किया गया। आपदा प्रबंधन के इतिहास में 2005 में एक बड़ा परिवर्तन लाया गया भारत सरकार ने आपदा को अपनी कार्ययोजना के एक चक्रीय क्रम के रूप में प्रबंधित किया, जिसमें आपदा आ जाने के बाद इसके बचाव, नुकसान की भरपाई, निदान तथा आपदा आने के पूर्व की तैयारी तथा योजना को मूर्त रूप देने का एक सुनियोजित तरीका तैयार किया गया था। आपदा से खतरे का स्तर सभी इंसानों के लिए सदैव एक जैसा होता है। किंतु समाज के विभिन्न वर्गों में खतरे से निपटने तथा जूझने की क्षमता अलग-अलग होती है। निम्न वर्ग का तबका अन्य लोगों की अपेक्षा आपदा से ज्यादा प्रभावित होता है। अत: सरकार को गरीब तथा वंचित वर्ग के तबके के लिए आपदा प्रबंधन में विशेष प्रावधान दिया जाना चाहिए। आपदाओं के प्रबंधन एवं अनुसंधान व त्वरित कार्रवाई के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान तथा राष्ट्रीय आपदा कार्रवाई बल का गठन किया गया है। किसी खतरनाक आपदा की स्थिति में रासायनिक, जैविक, परमाणु विकिरण तथा अन्य प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदा के संबंध में विशिष्ट कार्यवाही के निर्वहन का उत्तरदायित्व है। इस संस्था ने बंगाल तथा उड़ीसा के तटीय क्षेत्र में आई सुनामी में काफी बड़ी संख्या में लोगों की जान भी बचाई है। चक्रवाती तूफान से निपटने में हमारे समुचित प्रयासों ने यह सिद्ध कर दिया है कि हाल के वर्षों में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में काफी प्रगति हुई है। आपदा प्रबंधन सिस्टम को पहले से ही सावधान तथा सचेत रहकर पूरी की पूरी तैयारी कर लेनी चाहिए थी ।अगर आपदा प्रबंधन सिस्टम को लगातार मॉनिटर किया जाता रहना चाहिए।भारत को आपदा प्रबंधन के सिस्टम पर फिर से आंकलन कर एक नई व्यूह रचना बनाकर गरीब तबके निचले व्यक्ति तथा समग्र रूप से मानव जाति की सुरक्षा के लिए नए-नए उपाय करने चाहिए।

पत्रकार संगठनों ने भारतीय प्रेस परिषद की सब कमेटी के समक्ष रखी पत्रकारों की समस्या

देहरादून,संवाददाता । उत्तराखण्ड पत्रकार महासंघ ने छोटे अखबारों सहित तमाम समाचार पत्रों – पत्रिकाओं के हितों को ध्यान में रखकर विज्ञापन नीति बनाए जाने का आग्रह भारतीय प्रेस परिषद की सब कमेटी से किया है।

दरअसल उत्तराखंड प्रिंट मीडिया, विज्ञापन नीति के संबंध में पत्रकारों के विचार, सुझाव लेने के लिए उत्तराखंड आयी भारतीय प्रेस परिषद की सब कमेटी ने यहां सचिवालय के मीडिया सेंटर में पत्रकार संगठनों, प्रेस क्लबों और समाचार पत्रों के स्वामियों, प्रकाशकों, प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। संयोजक गुरिन्दर सिंह की अगुआई में आयी सब कमेटी में सदस्य श्याम सिंह पंवार और आरती त्रिपाठी शामिल थे। सब कमेटी के अन्य सदस्य प्रो राजपूत बैठक में वीसी के माध्यम से पत्रकारों के साथ जुडे।

इस बैठक में कई पत्रकार संगठनों के प्रतिनिधियों ने विज्ञापन से सम्बन्धित समस्याओं को कमेटी के समक्ष उठाया।

बैठक में उत्तराखंड पत्रकार महासंघ ने भी विज्ञापन नीति को लेकर सुझाव दिए और पत्रकारों की अन्य समस्याओं की ओर कमेटी का ध्यान दिलाया।

प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती बीना उपाध्याय के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने इस बैठक में भाग लिया। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती बीना उपाध्याय ने महासंघ की ओर पत्रकारों की समस्याओं को उठाया। उन्होंने सब कमेटी को लिखित रूप में एक ज्ञापन भी दिया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाला राज्य है। यहां से निकलने वाले सभी समाचार पत्र के स्वामी, प्रकाशक संसाधनों के अभाव में या बेहद कम संसाधनों के साथ समाचार पत्रों का प्रकाशन करते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि यहां निकलने वाले छोटे और तमाम समाचार पत्रों के हितों को ध्यान में रखकर ही भविष्य में कोई विज्ञापन नीति बनायी जिसके तहत सभी समाचार पत्र – पत्रिकाओं को बिना किसी भेदभाव के एक समान रूप से विज्ञापन मिल सके जिससे वे अपने समाचार पत्र को निरन्तर प्रकाशित कर सके और उनका विकास कर सके। उन्होंने कहा कि साप्ताहिक, पाक्षिक और मासिक जैसे छोटे समाचार पत्र – पत्रिकाओं को भी दैनिक की भांति सभी सजावटी विज्ञापन और टेंडर सूचनाएं दिए जाने का कदम उठाया जाए। उन्होंने सब कमेटी से अनुरोध किया कि ऐसी व्यवस्था भी की जाए जिससे डीएवीपी के विज्ञापन भी पूर्व की तरह छोटे अखबारों को मिल सके। उन्होंने कि पहले दैनिक अखबारों के साथ ही प्रत्येक छोटे समाचार पत्रों को भी विभिन्न अवसरों पर विज्ञापन दिए जाते थे लेकिन अब कई वर्षों से छोटे मध्यम समाचार पत्रों की अनदेखी की जा रही है। महासंघ की उपाध्यक्ष ने कहा कि अखबारी कागज, स्याही व प्रिंटिंग सहित सारी सामग्री पहले की अपेक्षा मंहगी हो गयी है और रोज दाम बढ रहे लेकिन समाचारों की विज्ञापन दरों में बढ़ोतरी नहीं हो रही। उन्होंने सब कमेटी से इस बारे में अपने स्तर से कार्यवाही कर विज्ञापन दरों में बढ़ोतरी कराने का भी आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि 2024 में डीएवीपी द्वारा समान प्रसार संख्या वाले कई अखबारों की दर घटा तो कई की दर को बढा दिया जो न्यायोचित नहीं है। इस खामी को दूर किया जाना चाहिए। उन्होंने राज्य स्तर पर विज्ञापन आवंटन में होने वाले भेदभाव की ओर भी भारतीय प्रेस परिषद की सब कमेटी का ध्यान आकर्षित किया।

इस अवसर पर महासंघ के सदस्य नरेश रोहिला ने भी छोटे समाचारों की कठिन आर्थिक स्थिति की ओर सब कमेटी का ध्यान दिलाया और विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य सब कमेटी ऐसी विज्ञापन नीति बनाए जाने के संबंध में सरकार को अपनी सिफारिश करेगी जिससे सभी समाचार पत्रों को अपने विकास का अवसर मिल सके। सब कमेटी संयोजक ने बैठक में आए पत्रकार संगठनों के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि वह यहां मिले सुझाव को शासन के समक्ष रखकर समस्याओं के समाधान की कोशिश करेंगे।

बैठक में महासंघ के प्रदेश सचिव सुभाष कुमार, जिला अध्यक्ष कैलाश सेमवाल, जिला महामंत्री कृपाल सिंह बिष्ट, राजेन्द्र सिराडी और शिवनारायण भी मौजूद रहे।

डीएम ने यमुनोत्री क्षेत्र में हुए नुकसान का आंकलन कर रिपोर्ट देने व सुरक्षात्मक कार्य शुरू करने के दिए निर्देश

उत्तरकाशी (संवाददाता)।। अतिवृष्टि से प्रभावित यमुनोत्री क्षेत्र में प्रभावित आवश्यक सुविधाओं की बहाली एवं आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाने के लिए विभिन्न विभागों के स्तर से तेजी से कार्रवाई की जा रही है। जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने संबंधित विभागों को इसके लिए जिम्मेदारी सौंपने के साथ ही अधिकारियों की टीम को मौके पर भेजकर नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट देने और तत्काल सुरक्षात्मक कार्य शुरू करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन के द्वारा यात्रा के सुरक्षित व सुचारू संचालन हेतु सभी एहतियाती कदम उठाए गए हैं और यमुनोत्री धाम में आज भी तीर्थयात्रियों का आवागमन पूर्व की भांति जारी रहा। यमुनोत्री धाम में यात्रा को सुचारू व सुरक्षित संचालन तथा क्षेत्र में इस क्षेत्र में अतिवृष्टि से प्रभावित सुविधाओं की बहाली की कार्रवाईयों पर जिला मुख्यालय स्थित नियंत्रण कक्ष से निरंतर निगरानी रखकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश निर्गत किए जा रहे हैं। जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने नियंत्रण कक्ष में पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी तथा अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा की और मौके पर गए अधिकारियों से भी वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। इस मौके पर बताया गया कि वर्तमान में यमुना नदी का जल स्तर सामान्य है। यमुनोत्री पैदल मार्ग भी सुचारू है और यात्रा सामान्य दिनों की तरह संचालित हो रही है। गंगोत्री क्षेत्र के विधायक सुरेश चैहान ने भी नियंत्रण कक्ष में पहूँचकर यमुनोत्री क्षेत्र की स्थिति की जानकारी लेने के साथ ही यात्रा व्यवस्था व प्रभावित क्षेत्र में की जा रही कार्रवाईयों के बारे में अधिकारियों से विचार–विमर्श किया। यमुनोत्री क्षेत्र में बीती रात अतिवृष्टि होने के कारण यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने से यमुनोत्री धाम एवं जानकीचट्टी में नदी के तटवर्ती क्षेत्रों में कुछ सार्वजनिक व निजी परिसंपत्तियों को नुकसान हुआ है। प्राप्त सूचना के अनुसार पुरोहित सभा के कक्ष आंशिक क्षतिग्रस्त और मंदिर समिति का जनरेटर व स्ट्रीट लाइट क्षतिग्रस्त हुई है। इसके साथ ही जानकीचट्टी में नदी का पानी और मलवा पार्किंग में आ जाने से कुछ दोपहिया व छोटे वाहनों के बहने व दबने की सूचना है। यहां पर शुभम पैलेस के सामने लगभग 40 मीटर की सड़क क्षतिग्रस्त हुई है। इसके अतिरिक्त विद्युत लाईन, पर्यटन विभाग सूचना केन्द्र, सुलभ शौचालय जिला पंचायत के शौचालय, कूड़ा कॉम्पेक्टर मशीन भी क्षतिग्रस्त हुई है। जानकीचट्टी में कई दुकानों में मलवा भरने के साथ ही उरेडा पावर हाउस की नहर तथा यात्री पंजीकरण केन्द्र को भी क्षति पहुंची है। इस घटना में वर्तमान तक कोई जनहानि एवं पशुहानि नहीं हुई है। यमुनोत्री पैदल मार्ग सुरक्षित है। यमुना नदी में पानी के जलस्तर बढने की सूचना पर रात्रि में ही पुलिस, एसडीआरएफ एवं अन्य विभागों के कार्मिकों के द्वारा नदी के आसपास के क्षेत्र में राणा चट्टी ,हनुमान चट्टी, स्यानाचट्टी, पालीगढ़ आदि स्थानों पर अलर्ट करने के साथ ही जानकीजट्टी क्षेत्र में नदी के निकटवर्ती क्षेत्रों में भवनों तथा होटलों को खाली कराकर लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचा दिया गया था। जिलाधिकारी ने इस घटना की सूचना मिलते ही राजस्व एवं अन्य संबंधित विभागो के अधिकारियों को तत्काल मौके पर जाकर प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षा के सभी इंतजाम करने और बिजली, पेयजल आपूर्ति सहित अन्य आवश्यक सेवाओं को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए थे। जिलाधिकारी के निर्देश पर उप जिलाधिकारी बड़कोट मुकेश चंद रमोला, तहसीलदार बड़कोट धनीराम राजस्व विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की टीम के साथ नुकसान का जायजा लेने व राहत कार्यों के संचालन हेतु सुबह ही प्रभावित क्षेत्र में पहुँच गए थे। इसके अलावा यूपीसीएल, जल संस्थान, लोनिवि आदि विभागों के अधिकारी भी अपनी टीमों के साथ मौक्के पर मौजूद हैं। क्षेत्र में स्वास्थ्य टीमें भी पूर्ववत तैनात हैं। इसके साथ ही एसडीआरएफ की एक अतिरिक्त टुकड़ी व एनडीआरएफ के जवानों को भी प्रभावित क्षेत्र में भेजा गया है। यमुनोत्री धाम में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था बहाल करने के लिए क्षतिग्रस्त लाईन एवं पोलों की पुनर्स्थापना का कार्य जारी है। यमुनोत्री धाम व पैदल मार्ग पर निगरानी के लिए स्थापित सीसीटीवी नेटवर्क के लिए पावर बैकअप की वैकल्पिक व्यवस्था भी की जा रही है।

जिलाधिकारी ने इस क्षेत्र में हुए नुकसान का आकलन करने एवं बाधित आवश्यक सेवाओं को तत्काल बहाल करने हेतु उपजिलाधिकारी बड़कोट की अध्यक्षता में समिति गठित की है। समिति में सिंचाई खंड पुरोला, लोनिवि बड़कोट डिवीजन, विद्युत वितरण खंड बड़कोट तथा जिला विकास प्राधिकरण के अधिशासी अभियंताओं के साथ ही जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी और परियोजना प्रबंधक निर्माण इकाई उत्तराखंड पेयजल निगम विकासनगर को शामिल किया गया है। जिलाधिकारी ने समिति को तत्काल क्षेत्र में तैनात रहते हुए क्षेत्र में हुई क्षति का विस्तृत सर्वेक्षण आख्या सायं तक अनिवार्यरूप से उपलब्ध करवाने और इस घटना के कारण एवं प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षा हेतु तात्कालिक कार्य अविलंब शुरू कराने और दीर्घकालीन उपायों के बारे में सुझाव देने के भी निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने यमुनोत्री धाम में सुरक्षा उपाय किए जाने सहित जानकीचट्टी पार्किंग से मलवा हटाने तथा नदी को मूल धारा की तरफ चैनलाईज करने के लिए सिंचाई विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों को तत्काल मौके पर आवश्यक मशीनें और अन्य संसाधनों को तैनात कर अविलंब काम शुरू करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने जानकीचट्टी में सड़क की मरम्मत, यमुनोत्री मार्ग को सुचारू व सुरक्षित बनाये रखने के लिए लोनिवि व वन विभाग अधिकारियों को लिखित निर्देश जारी करने के साथ ही पार्किंग, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, चिकित्सा, सफाई, खाद्यान्न व आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति, संचार एवं सुरक्षा आदि व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने हेतु भी संबंधित विभागों को कार्रवाई करने की हिदायत दी है।

1400 करोड़ की आउटर रिंग रोड से शहर की सड़कों को सुनियोजित ढंग से जोड़ा जाये : महाराज

लोनिवि मंत्री ने स्मार्ट सिटी के अधिकारियों को भी किया तलब

देहरादून (संवाददाता)। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ उत्तराखण्ड में सड़क निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्ग की प्रमुख परियोजनाएं, चारधाम परियोजना, कैलाश मानसरोवर परियोजना, सीमान्त क्षेत्र में सामरिक महत्व के राष्ट्रीय राजमार्ग, दिल्ली-देहरादून ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे, राष्ट्रीय राजमार्गों में भूस्खलन क्षेत्रों के उपचार कार्य, केन्द्रीय सड़क अवसंरचना निधि के अंतर्गत कार्य, सेतु बंधन को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया।

प्रदेश लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने मंगलवार को सुभाष रोड स्थित अपने कैंप कार्यालय पर राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ उत्तराखण्ड में सड़क निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्ग की प्रमुख परियोजनाएं, चारधाम परियोजना, कैलाश मानसरोवर परियोजना, सीमान्त क्षेत्र में सामरिक महत्व के राष्ट्रीय राजमार्ग, दिल्ली-देहरादून ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे, राष्ट्रीय राजमार्गों में भूस्खलन क्षेत्रों के उपचार कार्य, केन्द्रीय सड़क अवसंरचना निधि के अंतर्गत कार्य, सेतु बंधन को लेकर एक बैठक का आयोजन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एडीबी द्वारा वित्त पोषित देहरादून में 1400 करोड़ की लागत से बनने वाली आउटर रिंग रोड से शहर की जिन सड़कों को जोड़ना है उनका कार्य सुनियोजित ढंग से एवं तत्परता से किया जाए, क्योंकि इसमें इलेक्ट्रिक बसों को चलाए जाने का भी व्यवस्था का प्राविधान है। लोक निर्माण मंत्री श्री महाराज ने कहा कि लोनिवि एवं स्मार्ट सिटी के अधिकारियों से कहा कि शहर में सड़कें ऊपर हैं और नालियां नीचे हो गई हैं जिसके कारण अक्सर ट्रैफिक बाधित हो रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी स्थानों का स्थलीय निरीक्षण कर जहां-जहां कमी है उनको तत्काल दूर किया जाए।उन्होंने बैठक में राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ वैकल्पिक मार्गों यथा घनसाली से घुत्तु-पवालीकांठा त्रिजुगीनारायण, कालीमठ-चैमासी होते हुए सोनप्रयाग, सोनप्रयाग में लोकल सर्किट मार्ग का निर्माण किए जाने के भी अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्गों में स्थित पुराने सेतुओं के स्थान पर अधिक भार वहन क्षमता के सेतु निर्माण हेतु कहा गया। चारधाम यात्रा के प्रवेश द्वार ऋषिकेश में लगने वाले जाम से निजात दिलाए जाने हेतु लो0नि0वि0 राष्ट्रीय राजमार्ग द्वारा ऋषिकेश बाईपास के निर्माण हेतु कार्यवाही करने को कहा गया। लोनिवि मंत्री श्री महाराज ने यमुनोत्री मार्ग में ओजरी टनल के निर्माण हेतु कार्यवाही किए जाने हेतु भी निर्देशित किया। ताकि यमुनोत्री धाम की यात्रा सुगम हो सके। सड़क परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार के अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग में पालीगाढ़ से जानकीचट्टी, रूद्रप्रयाग- गौरीकुण्ड राष्ट्रीय राजमार्ग में अगस्त्यमुनि बाईपास, कुण्ड बाईपास के निर्माण हेतु उच्च स्तरीय कमेटी द्वारा अपनी स्वीकृति दे दी गयी है तथा इसी प्रकार ऋषिकेश बाईपास, चम्पावत बाईपास, के निर्माण हेतु ओवर साइट कमेटी द्वारा अपनी सहमति दे दी गयी है। अब इन मार्गों का निर्माण करते हुए चारधाम एवं चीन सीमा तक वाहनों का आवागमन सुचारू रूप से हो सकेगा। सड़क परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार के अधिकारियों द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि दुगड्डा से गुमखाल तक राष्ट्रीय राजमार्ग के चैड़ीकरण हेतु डी0पी0आर0 का गठन किया जा रहा है ताकि कोटद्वार से पौड़ी होते हुए चारधाम जाने वाले यातायात को सुविधा हो सके। राष्ट्रीय राजमार्गों में रोड सेफ्टी के अंतर्गत छूटे हुए भागों में क्रेश बैरियर लगाये जाने हेतु भी निर्देश दिए गए। बैठक में लो0नि0वि0 विभागाध्यक्ष डी0के0यादव, मुख्य अभियन्ता, सड़क परिवहन भारत सरकार डी0के0शर्मा, क्षेत्रीय अधिकारी, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग, मुख्य अभियन्ता, राष्ट्रीय राजमार्ग, दयानन्द, विशाल गुप्ता,स्मार्ट सिटी के अधिकारी अनिल पांगती, अधीक्षण अभियंता गिरीश पुंडीर, प्रवीण कुश आदि उपस्थित थे।

सखियाँ क्लब ने मनाया तीज महोत्सव

देहरादून (संवाददाता)। शहर के महिला क्लब सखियाँ क्लब ने आज स्टारवुड होटल में धूमधाम से तीज का त्यौहार मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत सखियाँ क्लब की अध्यक्ष संगीता जैन, सचिव नीरू गुप्ता, कोषाध्यक्ष उषा बंसल, एडवाइजर सीमा जैन और फर्स्ट वीपी निमिशा जैन द्वारा स्वागत भाषण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण तीज क्वीन प्रतियोगिता थी, जिसमें पलक और ज्योति, पुष्पा और राज, अनामिका और मंजू, मीनू और शिखा और रिंकी और बिंदु सहित सर्वश्रेष्ठ पांच जोड़ियों को तीज क्वीन का खिताब दिया गया। समारोह के दौरान कई नृत्य प्रस्तुतियाँ और प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयीं, जिसमें सदस्यों ने सावन के विभिन्न गीतों पर मंच पर प्रस्तुति दी। क्लब की सदस्यों ने कजरा मोहब्बत वाला, सजना है मुझे, अपने पिया की बनी रे जोगनिया, लेके पहला प्यार, और कई अन्य गीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुत किये।

नृत्य प्रतियोगिता को दो श्रेणियों में विभाजित किया गया थारू 50 से नीचे और 50 से ऊपर। 50 से ऊपर की श्रेणी में शीर्ष तीन विजेताओं में बबीता गुप्ता, अमिता सिंघल और अनीता गुप्ता शामिल रहीं। जबकि, 50 से नीचे की श्रेणी में शीर्ष तीन विजेताओं में रूबी, सोनिका और पल्लवी शामिल रहीं। कार्यक्रम के दौरान लकी ड्रा विजेताओं को भी पुरस्कार दिए गए, जिनमें पूनम, बिंदु गोयल, अंजू भल्ला, शिखा जैन, रिंकी गोयल, नीरा मित्तल, उमा मित्तल और मोनिका जैन शामिल थीं। इसके अलावा, तीज कार्यक्रम में कपड़े, आभूषण, जूते और जैविक उत्पादों के कई स्टॉल भी लगाए गए थे, जिससे सदस्यों को खरीदारी का एक शानदार अनुभव मिला। कार्यक्रम के अंत में, सभी विजेताओं को उपहार दिए गए। सखियां क्लब की अध्यक्ष संगीता जैन ने कहा, ष्तीज महोत्सव परंपरा, आनंद और एकजुटता का उत्सव है। हमारे क्लब के सदस्यों का एक साथ आकर उत्साह और शालीनता के साथ जश्न मानना सभी के लिए एक अद्भुत अनुभव था। सभा का संचालन निमिशा जैन और सीमा जैन ने किया।

चमोली करंट हादसा: पीड़ित परिवारों ने मुआवजे को लेकर किया प्रदर्शन

चमोली (संवाददाता)। नमामि गंगे ट्रीटमेंट प्लांट में हुए हादसे के पीड़ित परिवारों ने जिला मुख्यालय गोपेश्वर में प्रदर्शन कर हादसे में मारे गये पीड़ित परिवारों को एक साल गुजरने के बाद भी मुआवजा न दिये जाने को विरोध में प्रदर्शन किया तथा जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

बता दें कि बीते वर्ष 19 जुलाई को चमोली कस्बे में नमामि गंगे के सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट में करंट दौड़ने से 16 लोगों की मौत हो गई थी जिसमें से अधिकांश लोग गरीब परिवारों के थे। उस समय सरकार और प्रशासन की ओर से पीड़ित परिवारों को सहयोग का भरोसा दिलाया था लेकिन पीड़ित परिवारों का आरोप है कि अभी तक उन्हें किसी भी प्रकार की सहायता नहीं दी गई है जिससे पीड़ित परिवार आर्थिक परेशानी से जुझ रहे है। हरमनी की प्रधान सुनीता देवी का कहना है कि सरकार और प्रशासन ने पीड़ित परिवारों को पूरा सहयोग करने का भरोसा दिलाया था लेकिन एक वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी अभी तक पीड़ित परिवारों को समुचित मुआवजा नहीं मिल पाया है और न ही उन्हें किसी प्रकार से नौकरी मिली है ऐसे में पीड़ित परिवारों के सामने आर्थिकी का संकट पैदा हो गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अभी तक घटना के आरोपी की कोई गिरफ्तारी नहीं हो पायी है। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से घटना के आरोपी की गिरफ्तारी की मांग करते हुए पीड़ित परिवारों को मुआवजा दिए जाने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि ऐसा नहीं किया जाता है तो ग्रामीणों को पीड़ित परिवारों के समर्थन में आंदोलन के लिए विवश होना पड़ेगा। इस मौके पर देवेंद्र फरस्वाण, भगत कनियाल, अब्बल सिंह, मनमोहन ओली, मदन आर्य आदि कई लोग मौजूद थे।

अठाली को सोलर विलेज के रूप में किया जायेगा विकसित, सीडीओ ने ग्रामीणों के साथ की बैठक

उत्तरकाशी (संवाददाता)। मुख्य विकास अधिकारी जय किशन ने भटवाड़ी ब्लॉक के ग्राम पंचायत अठाली को सोलर विलेज के रूप में विकसित किये जाने को लेकर ग्रामीणों के साथ बैठक की है।

रविवार को मुख्य विकास अधिकारी जय किशन अठाली गांव पहुंच कर ग्राम प्रधान, जनप्रतिनिधियों, विशेषज्ञों व सम्बंधित विभागीय अधिकारियों के साथ गहनता से समीक्षा की है ।इस दौरान उन्होंने कहा कि ग्राम सभा अठाली को सोलर विलेज के रूप में हर घर सोलर से रोशनी प्रदान करने की कवायद तेजी से धरातल पर क्रियान्वित की जायेगी । इसके लिये सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को ठोस कार्य योजना प्रस्तुत करने के निर्देश जारी किये है । सोलर विलेज में ग्राम सभा को सोलर से सम्बंधित सभी व्यवस्थाओं का लाभ प्रदान किये जाने के साथ ही सोलर लाइट, पंखे तथा ऊर्जा संरक्षण व माइक्रो ग्रिड जैसी सम्भावनाओं को तलाशने के लिए विशेष प्रयास की दिशा में कार्य किये जायेगें । प्रधानमंत्री सूर्य घर के अंन्तर्गत अठाली गांव में सोलर वाटर, हीटर, दूध पैकेजिंग के साथ ही तमाम उन अर्थ व्यवस्थाओं को जोड़ा जायेगा । जो सोलर ग्राम को विकास की दिशा में नई पहचान दिलायेगा । समीक्षा के दौरान वरिष्ठ परियोजना उरेडा अधिकारी रॉकी कुमार, ग्राम प्रधान ममता गुसांई सहित जनप्रतिनिधि मौजूद रहे ।

मकान में आग लगने से भारी नुकसान

हरिद्वार, (संवाददाता)। रुड़की में एक मकान में अचानक आग लग गई। आग लगने से आसपास क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जब तक आग पर काबू पाया गया तब तक मकान में लगी आग की घटना में एक स्कूटी, घरेलू सामान और फोटो स्टेट मशीन जलकर राख हो गई। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। मिली जानकारी के अनुसार सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र के जादूगर रोड पर एक मकान में अचानक आग लग गई। मकान में आग लगने से आसपास क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया, जिसके बाद घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। वहीं आग लगने की जानकारी दमकल विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची, इसके बाद टीम ने आग को कड़ी मशक्कत के बाद बुझाया, इसी के साथ दमकलकर्मियों द्वारा आग को आसपास फैलने से भी रोका गया। बताया गया है कि मकान में लगी इस आग की घटना से घर में खड़ी एक स्कूटी, घरेलू सामान एक फोटो स्टेट मशीन और अन्य सामान जलकर राख हो गया। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। वहीं दमकल विभाग की टीम मकान में लगी आग लगने के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है। बताया गया है कि मकान स्वामी द्वारा उक्त मकान को किराए पर दे रखा है, जिसमें किराएदार रहता है। वहीं फायर सर्विस की तत्काल कार्रवाई और सर्तकता से बड़ी घटना होने से बचा लिया गया।

कुल्लू में बादल फटने से तबाही, पुल बहा, घरों में भरा बाढ़ का पानी

कुल्लू ,एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू के मणिकर्ण घाटी के तोष में बादल फटने से भारी तबाही मची है। प्रदेश में कल और परसों भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही पांच जिलों में भूस्खलन और बाढ़ की चेतावनी भी जारी हुई है। सोमवार शाम तक हिमाचल में 117 सड़कें और 215 बिजली ट्रांसफार्मर ठप रहे।

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू के मणिकर्ण घाटी के तोष में रविवार देर रात बादल फट गया। बादल फटने से यहां पर भारी तबाही मची है। बाढ़ में एक पुल बह गया है। घरों में भी बाढ़ का पानी घुस गया है। देर रात बादल फटने के बाद यहां पर अफरा तफरी मच गई। लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई। फिलहाल तोष का संपर्क कट गया है।

पलचान के सरेही नाला का जलस्तर फिर बढ़ा, मनाली-लेह मार्ग रहा बाधित

उधर, सोलंग घाटी के पलचान से सटे सरेही नाला का जलस्तर फिर बढ़ा गया है। नाले का पानी सड़क से बहने लगा। इस वजह से मनाली-लेह मार्ग यातायात के लिए फिर बंद हो गया। हालांकि, कुछ समय बाद मार्ग बहाल कर दिया गया। वहीं पलचान गांव के ग्रामीणों अभी भी सहमे हुए हैं। कुछ दिन पहले बदल फटने की घटना से गांव के तीन मकान बह गए हैं, जबकि पांच मकानों को खतरा पैदा हो गया है। एसडीएम रमण कुमार शर्मा ने बताया कि पानी बढ़ने से मनाली-लेह मार्ग बंद हो गया था जिसे बाद में बहाल कर दिया गया।

वहीं, प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में मंगलवार को भी बारिश के आसार हैं। 31 जुलाई और एक अगस्त को अधिकांश क्षेत्रों में भारी बारिश होने का ऑरेंज अलर्ट जारी हुआ है। इस दौरान प्रदेश के पांच जिलों कुल्लू, सोलन, सिरमौर, शिमला, किन्नौर के कुछ क्षेत्रों में भूस्खलन और बाढ़ आने की चेतावनी भी जारी हुई है।

राहत एवं बचाव कार्य के लिए निर्देश दिए- मुख्यमंत्री

वहीं मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मणिकर्ण घाटी के तोष गांव में बादल फटने की घटना पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन से संपर्क कर उन्हें राहत एवं बचाव कार्य के लिए आवश्यक निर्देश दिए हैं। प्रदेश में तमाम जगहों पर भारी बारिश के चलते हो रही ऐसी घटनाओं पर हमारी नजर है और प्रशासन राहत कार्यों के लिए हर जरूरी कदम उठा रहा है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के नागरिकों व सैलानियों से अनुरोध किया कि सावधानी बरतें और नदी-नालों के पास जाने से बचें।

ब्रह्म गंगा नाले में भी आई बाढ़, कैंपिंग साइट को नुकसान

मणिकर्ण घाटी में सोमवार देर रात बादल फटने से भारी तबाही हुई है। एक तरफ जहां तोष में बादल फटने से भारी नुकसान हुआ। वहीं मणिकर्ण के साथ लगते ब्रह्म गंगा नाले में भी देर रात बाढ़ आई। इसके चलते एक कैंपिंग साइट को नुकसान हुआ है। नदी-नालों में आई बाढ़ के बाद अब घाटी के लोग सहम गए हैं।

सोमवार रात को सराहन में 12.0, रोहड़ू 12.0, संगड़ाह 10.0, जोगिंद्रनगर 8.0, सैंज 6.5, मनाली 6.0, रामपुर 5.8, धर्मशाला 5.4 व गोहर में 5.0 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

उधर, शिमला में न्यूनतम तापमान 18.8, कल्पा 16.5, धर्मशाला 21.4, ऊना 25.0, नाहन 24.3, मंडी 25.5, सोलन 20.7, मनाली 18.1, कांगड़ा 23.9, बिलासपुर 26.6, हमीरपुर 25.9 और चंबा में 24.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

ऊना में झमाझम बरसे बादल, तहसील कार्यालय में घुसा पानी

ऊना में मंगलवार सुबह 11:00 बजे हुई झमाझम बारिश ने लोगों को गर्मी से बड़ी राहत दी है। एकाएक शुरू हुए बारिश के क्रम के बीच सड़कें पानी से लबालब हो गईं। वहीं गली-मोहल्लों में बच्चे और लोग बारिश का आनंद उठाते हुए नजर आए। शहरवासियों में लाला सोहन, मनप्रीत, कमल, रवि, अश्वनी ने बताया कि मंगलवार को हुई तेज बारिश की जरूरत बीते कई दिन से थी। इस बारिश के बाद ऊना में पड़ रही गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। वहीं तेज बारिश से तहसील कार्यालय में फिर पानी घुस गया। इससे पहले भी यहां मिनी सचिवालय में जलभराव का मामला आया था।

कांग्रेस बताए कि उसकी वर्किंग कमेटी व राजीव गांधी फाउंडेशन में ओबीसी का क्या स्थान है - जेपी नड्डा

नई दिल्ली,एजेंसी । भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष व राज्यसभा में नेता सदन जेपी नड्डा ने राहुल गांधी के आरोपों का क्रमवार जवाब दिया। इससे पहले सोमवार को राहुल गांधी ने सरकार पर किसानों, अग्निवीर व एससी-एसटी, ओबीसी की अनदेखी के आरोप लगाए थे। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि सरकार में ओबीसी व पिछड़ों का समुचित प्रतिनिधित्व नहीं है। इसका जवाब जेपी नड्डा ने अपने वक्तव्य में दिया। उन्होंने कहा कि यह बताएं कि मंडल कमीशन की रिपोर्ट, काका कालेलकर की रिपोर्ट कब आई थी और वह कहां पड़ी थी, कहां उस पर धूल जम रही थी। जेपी नड्डा ने राज्यसभा में कहा कि मंडल कमीशन की रिपोर्ट पर राजीव गांधी ने क्या कहा था। वोटों की खातिर आज आप ओबीसी के चैंपियन बन रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस से पूछा कि बताइए कि आपकी वर्किंग कमेटी में कितने पिछड़े वर्ग के लोग हैं। राजीव गांधी फाउंडेशन के बोर्ड में कितने पिछड़े वर्ग के लोग हैं, कितने एससी-एसटी हैं। उन्होंने कहा कि यूपीए के टाइम में नेशनल एडवाइजरी कमेटी में कितने एससी, एसटी, ओबीसी थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहली, दूसरी व तीसरी कैबिनेट में सबसे ज्यादा एससी-एसटी व ओबीसी का प्रतिनिधित्व रहा है। अग्निवीर पर भी जेपी नड्डा ने राहुल गांधी को जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि आजकल अग्निवीर पर अग्नि लगी हुई है। आप आर्मी के बहुत बड़े हिमायती हो गए। राष्ट्रीय हितों के साथ पॉलिटिक्स नहीं होनी चाहिए। आप अग्निवीर की सिफारिशों को जरा ध्यान से पढ़िए। देश और दुनिया की आर्मी को स्टडी कीजिए। जब अटैक होगा तो वह यह नहीं पूछेगा कि यह कमल को जा रहा है या हाथ को जा रहा है। उसकी गोली इस तरीके से चलेगी, इसलिए आर्मी को हमें पॉलिटिक्स से बाहर रखना चाहिए। यह जो फैसला लिया गया है 400-500 मीटिंग्स और कंसल्टेशन के बाद भारत की फौज को दुनिया की सबसे बेहतरीन फौज बनाने के लिए लिया गया है। उन्होंने कहा कि अग्निवीरों की चिंता मत कीजिए। उनकी पूरी चिंता की जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने वन रैंक, वन पेंशन को लागू किया। इसके साथ ही उन्होंने एमएसपी को लेकर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि आजकल आप किसानों के बड़े हिमायती बन गए हैं। उन्होंने यूपीए सरकार के दौरान मंत्री रहे केवी थॉमस के बयान का जिक्र करते हुए बताया कि थॉमस ने वर्ष 2010 कहा था कि एमएसपी देना संभव नहीं है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों को फसलों के उचित मूल्य प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

दो अगस्त को सावन मास की शिवरात्रि

देहरादून (संवाददाता)। सावन शिवरात्रि का त्योहार सावन या सावन महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी के दिन मनाया जाता है। सावन शिवरात्रि भगवान शिव की पूजा के लिए दूसरा सबसे बड़ा दिन है। वैसे तो सावन का हर दिन शिव पूजा के लिए शुभ होता है, लेकिन सावन की शिवरात्रि का दिन सबसे अच्छा दिन माना जाता है। इस दिन लोग व्रत रखते हैं और शिव-पार्वती की पूजा करते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार इस बार मासिक शिवरात्रि 2 अगस्त को मनाई जाएगी। इस दिन भक्तगण दिनभर उपवासी रहकर शिवलिंग का अभिषेक करते हैं, जप, पूजा और ध्यान करते हैं। वहीं इस साल दशकों बाद सावन शिवरात्रि पर "भद्रावास" योग बन रहा है, जिसमें व्रत रखने से दोगुना फल प्राप्त होगा। ज्योतिषी शुभम तिवारी ने बताया कि सनातन धर्म में मासिक शिवरात्रि का विशेष महत्व है। यह पर्व हर महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवान शिव संग मां पार्वती की पूजा की जाती है। पंचांग के अनुसार, सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 02 अगस्त को दोपहर 03 बजकर 26 मिनट पर शुरू होगी और इसके अगले दिन यानी 03 अगस्त को दोपहर 03 बजकर 50 मिनट पर समाप्त होगी। चतुर्दशी तिथि पर भगवान शिव संग मां पार्वती की पूजा होती है। इसलिए 02 अगस्त को सावन शिवरात्रि मनाई जाएगी। वहीं इस साल सावन शिवरात्रि के दिन भद्रावास योग का निर्माण हो रहा है। पुजारी शुभम ने बताया कि इस साल सावन शिवरात्रि पर दशकों बाद एक विशेष भद्रावास योग बन रहा है, जो इस दिन को और भी महत्वपूर्ण बना देता है। भद्रावास योग के दौरान व्रत और पूजा करने से दोगुना लाभ प्राप्त होने की मान्यता है।

महिला लघु व्यापारियों ने नगर निगम प्रशासन पर लगाया बेरोजगार करने का आरोप

हरिद्वार,संवाददाता। पिंक वेंडिंग जोन महिला स्वयं सहायता समूह की महिला लघु व्यापारियों ने नगर निगम प्रशासन पर उन्हें बेरोजगार करने का आरोप लगाया है। प्रैस क्लब में पत्रकारवार्ता के दौरान विजय लक्ष्मी, मीना शर्मा, सुषमा आले, निशा सिंह, पूनम शर्मा, नीलम शर्मा आदि महिलाओं ने कहा कि उन्हें रोजगार के लिए रोड़ी बेलवाला पिंक वेंडिंग जोन में नगर निगम प्रशासन द्वारा खोखे आवंटित किए गए थे। उन्होंने अपने जेवर गिरवी रखकर और बैंक से लोन आदि लेकर खोखे खरीदे हैं। जिसमें सभी महिलाएं स्वरोजगार कर अपने परिवार का भरण पोषण कर रही थी। कांवड़ मेले से पूर्व व्यवस्थाएं बनाने के नाम पर प्रशासन ने पिंक वेंडिंग जोन से सभी खोखे हटवा दिए। महिलाओं ने बताया कि पिंक वेंडिंग जोन में नगर निगम प्रशासन ने 100 खोखे आवंटित किए थे। जिनमें से 20 खोखे महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के हैं। खोखे हटाए जाने के बाद खाली हुई जगह पर पिंक वेंडिंग जोन के अन्य वेंडरों ने अतिक्रमण कर दुकानें लगा ली हैं। लेकिन उन्हें दुकान नहीं लगाने दी जा रही है।

महिलाओं ने यह भी आरोप लगाया कि उनके खोखे ऐसे स्थान पर रखवा दिए गए हैं। जहां उनका रोजगार नहीं चल सकता है। महिलाओं ने कहा कि वे सभी भाजपा से जुड़ी हैं। अपनी मांगों को लेकर तमाम अधिकारियों के अलावा स्थानीय विधायक व सांसद से भी गुहार लगा चुकी हैं। लेकिन कहीं भी उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। महिलाओं ने मांग की कि कांवड़ मेले के बाद उनकी दुकानें ऐसे स्थान पर लगवायी जाएं। जहां उनका रोजगार चल सके। यदि उनकी दुकानें सही स्थान पर नहीं लगवायी गयी तो वे धरना प्रदर्शन करने से भी पीछे नहीं हटेंगी।

केंद्रीय बजट करीब 200 प्रतिशत ज्यादा आवंटन के साथ जनजातीय समुदायों को बनाएगा सशक्त : सर्बानंद सोनोवाल

पिथौरागढ़ (संवाददाता)। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने आज शिलॉन्ग में इलाके व्यापारिक समुदाय के नेताओं, युवाओं और महिलाओं के साथ केंद्रीय बजट, 2024 पर चर्चा में हिस्सा लिया। चर्चा केंद्रीय बजट के प्रावधानों के इर्द-गिर्द रही, जो विकसित भारत के विचार को साकार करने की दिशा में रोडमैप तैयार करता है। सोनोवाल ने कहा कि इस बजट से पूर्वोत्तर भारत काफी लाभान्वित होगा क्योंकि इसका उद्देश्य युवाओं, महिलाओं और आदिवासी समुदायों को सक्षम बनाकर इलाके के आर्थिक, औद्योगिक और कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाना है। बैठक में मेघालय सरकार के पशुपालन मंत्री अलेक्जेंडर हेक भी उपस्थित थे। आदिवासी समुदायों के सशक्तिकरण पर आयोजित बैठक में केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि केंद्रीय बजट 'विकसित भारत' बनाने की दिशा में रोडमैप निर्धारित करता है। नए जोश और प्राथमिकता के साथ बजट का उद्देश्य पूर्वोत्तर के युवाओं, महिलाओं और जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाना और आर्थिक, औद्योगिक तथा कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमारे खूबसूरत पूर्वोत्तर को 'अष्टलक्ष्मी' और भारत के विकास के नए इंजन के रूप में पहचाना है। इस बजट में आदिवासी समुदायों के सशक्तीकरण और सक्षमता के लिए आवंटन लगभग 200 प्रतिशत बढ़ाया गया है, जिनमें 13,000 करोड़ रुपये आदिवासी समुदायों के कल्याण पर खर्च किए जाएंगे। पारंपरिक कारीगरों, शिल्पियों, स्वयं सहायता समूहों, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए, पीएम विश्वकर्मा, पीएम स्वनिधि, राष्ट्रीय आजीविका मिशन और स्टैंड अप इंडिया जैसी योजनाओं के लिए भी आवंटन बढ़ाया गया है। जनजातीय समुदायों को सामाजिक न्याय के लिए इस बजट में प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम नाम से नई योजना की घोषणा की गई, जिसका उद्देश्य जनजातीय समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाना है। इससे 63,000 गांवों की 5 करोड़ जनजातीय आबादी को सीधा लाभ मिलेगा।

पूर्वोत्तर में कृषि के लिए बजट प्रोत्साहन का उल्लेख करते हुए सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हम प्राकृतिक खेती और बागवानी के केंद्र के रूप में पूर्वोत्तर की जबरदस्त क्षमता को सामने लाने के साथ-साथ युवा प्रतिभाओं को विश्व स्तरीय कुशल कार्यबल बनने में सक्षम बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। खेती और बागवानी वाले 32 फसलों की उच्च पैदावार और जलवायु अनुकूल 109 किस्में जारी होने से मेघालय को आय बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभाव को कम करने का अवसर मिला है। प्रस्तावित डिजिटल फसल सर्वे के साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड के जरिये किसानों को ऋण लेने में सुविधा होगी। पर्यावरण अनुकूल टिकाऊ कृषि परियोजना के लिए 598 करोड़ रुपये का आवंटन जलवायु परिवर्तन, मृदा क्षरण और कीट, नाशीजीव एवं रोग संक्रमण के प्रतिकूल प्रभावों को नियंत्रित करेगा और पैदावार में सुधार होगा।

सर्बानंद सोनोवाल ने आगे कहा कि बजट का उद्देश्य विनिर्माण और सेवा क्षेत्र को बढ़ावा देना है, खास तौर पर मुद्रा योजना के माध्यम से, जो एमएसएमई को आवश्यक ऋण सहायता प्रदान करती है। इसके साथ ही पहली बार नौकरी के क्षेत्र में आने वाले युवाओं को तीन किस्तों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के जरिये 15,000 रुपये दिए जाएंगे और इसे मेघालय औद्योगिक एवं निवेश प्रोत्साहन नीति के साथ जोड़ा जाएगा। इससे राज्य में औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा। युवा शक्ति को सक्षम बनाने के लिए 1,000 आईटीआई को अपग्रेड किया जाएगा, साथ ही महिला कर्मचारियों को उद्योगों में काम करने में सहूलियत प्रदान करने के मकसद से महिला छात्रावास और क्रेच खोले जाएंगे। केंद्रीय बजट में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण के माध्यम से बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए काफी निवेश किया गया है, ताकि पूर्वोत्तर सहित दूरदराज के क्षेत्रों में सभी मौसम में यातायात संपर्क प्रदान किया जा सके। पीएमजीएसवाई के तहत् 2014 से अभी तक मेघालय में 2310.76 करोड़ रुपये की लागत से 3,482 किलोमीटर सड़कों का नेटवर्क तैयार किया है। बजट में पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए ग्रामीण बुनियादी ढांचे सहित ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। पूर्वोत्तर की सड़क और राजमार्ग संपर्क में सुधार के लिए केंद्रीय बजट में अतिरिक्त 19,338 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे मेघालय सहित क्षेत्र में पर्यटन संबंधी बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी आएगी।

डीएम ने डेंगू से बचाव को अपने आसपास पानी जमा न होने देने का किया अनुरोध

देहरादून (सू.का) । जिलाधिकारी सोनिका ने जनपद में संचालित डेंगू निरोधात्मक अभियान को लेकर पत्रकारों से रूबरू होते हुए जनमानस से डेंगू से बचाव हेतु जागरूक रहने तथा अपने आसपास पानी जमा न होने देने का अनुरोध किया। जिलाधिकारी सोनिका ने अवगत कराया कि डेंगू के दृष्टिगत जिला प्रशासन की टीमों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में निरंतर सर्वे किया जा रहा है। नगर निगम देहरादून में डेंगू के दृष्टिगत लगभग 14 संवेदनशील तथा ऋषिकेश में लगभग 08 संवदेनशील क्षेत्र हैं। पानी जमा होने तथा डेंगू का लार्वा पाये जाने पर अभी तक 75 हजार धनराशि से अधिक के चालान कर दिए गए हैं। जहां अधिक लार्वा मिल रहा है ऐसे क्षेत्रों को संवेदनशील क्षेत्रों में रखा गया है। सरकारी तथा निजी चिकित्सालयों में बैड,दवाई आदि समुचित व्यवस्थाओं बनाने तथा मुख्य चिकित्साधिकारी को चिकित्सालयों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्य शिक्षा अधिकारी के माध्यम से सभी स्कूलों को निर्देशित करा दिया गया है कि डेंगू से बचाव हेतु बच्चों को फूल बाजू की ड्रेस में स्कूल में बुलाया जाए। साथ जिलाधिकारी ने सभी जनमानस से अनुरोध किया है कि अपने आस पास सफाई रखें तथा पानी जमा न होने दें, घरों कूलर का पानी बदलते रहें तथा गमलों में तथा गमलों के आसपास पानी जमा न होने दें। उन्होंने अन्य लोगों को भी इसके लिए जागरूक करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने समस्त जनमानस से अनुरोध किया है कि डेंगू से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या एवं शिकायत तथा चिकित्सकीय परामर्श के लिए टोल फ्री नंबर 1800 1802525 पर संपर्क किया जा सकता है। जिलाधिकारी ने जनमानस से डेंगू के दृष्टिगत सतर्क रहते हुए अपने आसपास सफाई रखने तथा पानी जमा न होने देने का अनुरोध किया।

पुलिस से शिकायत करने पर तीन युवकों की जमकर पिटाई

हरिद्वार (संवाददाता)। लक्सर में मारपीट की पुलिस से शिकायत करने पर दूसरे पक्ष के लोगों ने रास्ते में घेर कर युवकों पर हमला कर दिया। हमले में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस ने आरोपित 6 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कानेवाली गांव निवासी मिथुन और राजेश के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। उस वक्त वहां मौजूद लोगों ने बीच बचाव करा दिया। इसके बाद मिथुन, जोगेंद्र और गुलाब शिकायत करने बालावाली पुलिस स्टेशन चले गये। दूसरे पक्ष के लोगों ने लौटते समय मिथुन पक्ष पर डंडों से पिटाई कर दी ।जिससे उनके काफी चोटें आई है।

कांग्रेस करेगी कॉरिडोर मसले पर आन्दोलन

हरिद्वार (संवाददाता)। कांग्रेस की एक बैठक में कॉरिडोर मसले पर आंदोलन करने का फैसला लिया गया। जिसके लिए 9 अगस्त से 14 अगस्त तक रोज जन सम्पर्क किया जाएगा। कांग्रेस प्रदेश महासचिव अनिल भास्कर के नेतृत्व में आहूत बैठक में कई युवाओं ने कांग्रेस का दामन भी थामा।

इस अवसर पर बोलते हुए महानगर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा कि शहर के हित में कांग्रेस आंदोलन करती रही हैं और कॉरिडोर मामले पर खुल कर अंतिम क्षण तक आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार लोगो को डरा कर इस मसले पर व्यापारियों को शांत करना चाहती हैं लेकिन गाँधी की कांग्रेस पीछे हटने वाली नहीं हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक शर्मा ने कहा कि पहले भी सरकार को झुकाने काम हमने मिलकर किया हैं यह आंदोलन भी हम शहर के हित में अंतिम समय तक करेंगे। शर्मा जी ने कहा कि जनसहयोग से हम यह लक्ष्य पूरा करेंगे। प्रदेश महासचिव अनिल भास्कर ने कहा कि कांग्रेस परिवार 9 अगस्त से 14 अगस्त तक दक्ष मंदिर, कनखल से हर की पौड़ी तक रोज पदयात्रा कर जन संपर्क कर लोगो को कॉरिडोर के खिलाफ खड़ा होने का आह्वान करेगा। भास्कर ने बताया कि अपर रोड, बड़ा बाजार, कुशा घाट, सुभाष घाट की प्रत्येक दुकानों और प्रतिष्ठान पर जाकर संपर्क किया जायेगा। इसमें सभी कांग्रेस जन की सहभागिता रहेगी।

युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष रविश भटीजा और पूर्व प्रदेश सचिव विभाष मिश्रा ने कहा कि अनिल भास्कर के विचार से सहमत हैं और जनहित के इस आंदोलन में सभी सहयोग करेंगे। प्रदेश प्रवक्ता हिमांशु बहुगुणा व युवा कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष विशाल प्रधान ने कहा कि कांग्रेस ही एकमात्र संगठन हैं जो जनहित के मुद्दे उठाना जानती हैं और उठाती हैं बीजेपी झूठ बोलकर लोगो के हितों के खिलाफ काम करती हैं।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर आयुक्त गढ़वाल ने आपदा राहत शिविर जीआईसी विनकखाल में पीडितों का जाना हाल चाल

देहरादून,संवाददाता । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पाण्डेय ने सोमवार का आपदाग्रस्त तिनगढ गॉव एवं बूढाकेदार क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होने अस्थाई राहत शिविर राजकीय इण्टर कॉलेज विनक खाल में आपदा प्रभावितों और अधिकारियों के साथ बैठक कर ग्रामीणों की समस्यायें सुनी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी आपदा पीडितों के प्रति संवेदनशील है तथा निरन्तर राहत कार्यों की जानकारी ले रहे है। आपदा प्रभावितों को हर संभव मदद के निर्देश मुख्यमंत्री जी ने दिए है आपदा पीडितों की मदद में पैसों की कमी आड़े न आने दी जाए इसके भी सख्त निर्देश मुख्यमंत्री द्वारा दिये गये है। आयुक्त गढवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर बूढ़ाकेदार में बालगंगा एवं धर्म गंगा के किनारे क्षतिग्रस्त हुई सड़क सुरक्षा के प्रारम्भिक कार्यों के लिए 08 करोड़ की स्वीकृति भी प्रदान की गई है। अधीक्षण अभियंता सिंचाई को कल तक इस्टीमेट जिलाधिकारी टिहरी को उपलब्ध कराने तथा टेंडर प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश भी उन्होने दिए। आयुक्त गढवाल ने अस्थाई राहत शिविर में व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए शिविर में पॉवर बैकअप की व्यवस्था करने, टीवी की व्यवस्था, बच्चों की पढ़ाई, आजीविका आदि को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। कहा कि आपदा प्रभावितों को कोई दिक्कत

न हो इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने जिलाधिकारी टिहरी को आपदा पीडित के आवास की वैकल्पिक व्यवस्था करने, 5 स्थानों पर जगह चिन्हित कर पशुओं हेतु शेल्टर बनाने, क्षमतानुसार पशुओं को शिफ्ट करने तथा पशुओं हेतु चारा पानी की उचित व्यवस्था करने तथा तिनगढ़ गांव को प्राथमिकता पर पुनर्वासध्विस्थापन की कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि तिनगढ़ गांव के पुनर्वासध्विस्थापन के लिए भूगर्भीय सर्वे कर लिया गया है तथा सैद्धान्तिक स्वीकृति मिल चुकी है। उन्होंने जिलाधिकारी को तिनगढ़ गांव पुनर्वास के लिए ग्रामीणों और अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित कर भूमि चिन्हीकरण हेतु निरीक्षण करवाने के निर्देश दिए। जमीन उपलब्धता के अनुसार लोगों का पुनर्वास करने को कहा। तोली गांव के पुनर्वास के लिये सर्वे रिपोर्ट के आधार पर द्वितीय चरण में कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जनपद में आपदा से हुई क्षति एवं राहत कार्यों की जानकारी देते हुए आपदा राहत की बताया कि ग्राम कोट के 28 परिवारों के विस्थापन की कार्यवाही गतिमान है तथा उन्हे आज प्रथम किश्त जारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि आपदाग्रस्त क्षेत्र के समस्त गांवों का जूलॉजिकल सर्वे कर कराया जा रहा है। इस अवसर पर विधायक घनसाली शक्ति लाल शाह, एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर, ब्लॉक प्रमुख भिलंगना वासुमति घणाता, एडीएम के.के. मिश्रा, अधीक्षण अभियंता सिंचाई आर.के. गुप्ता, सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

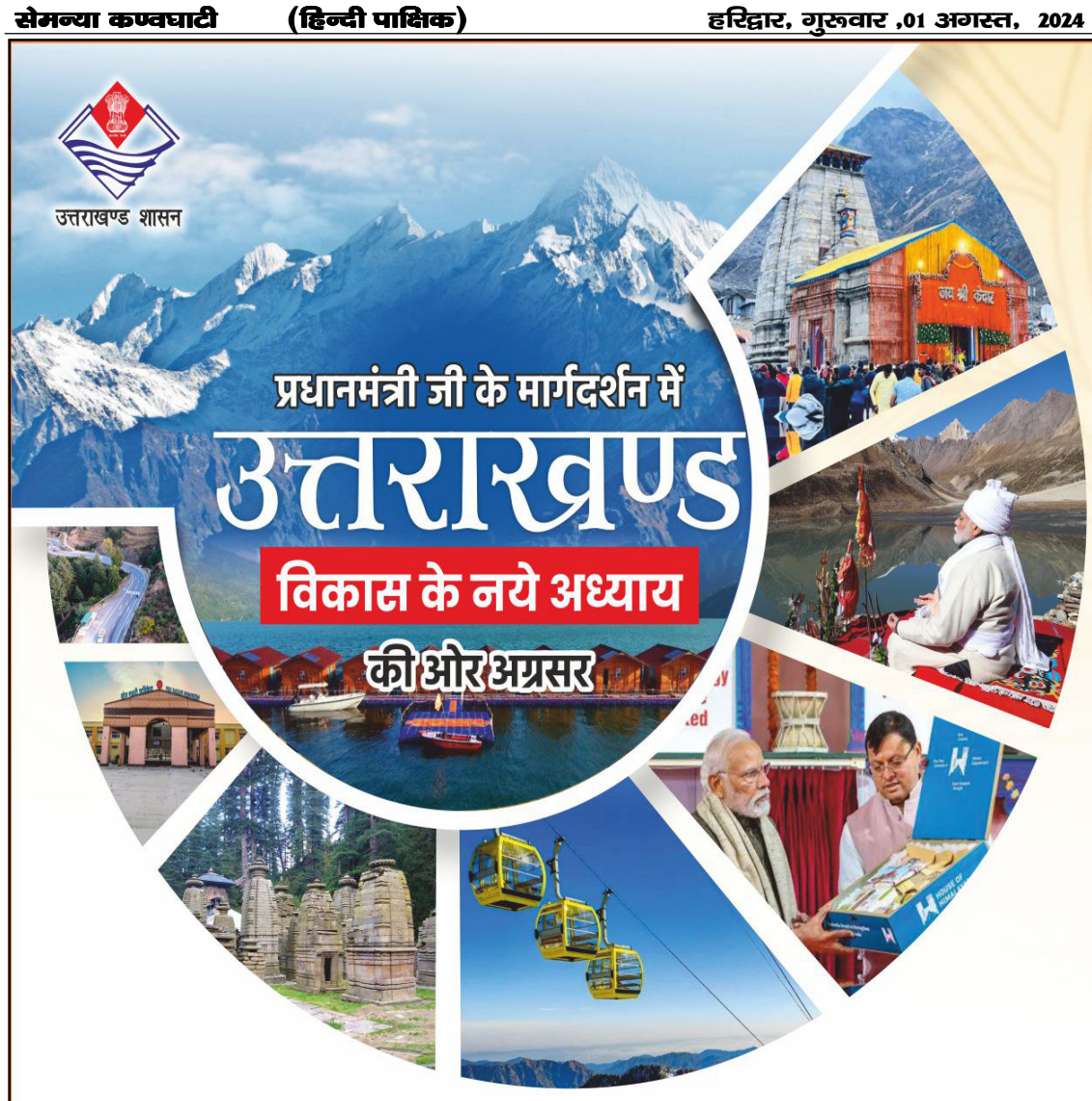

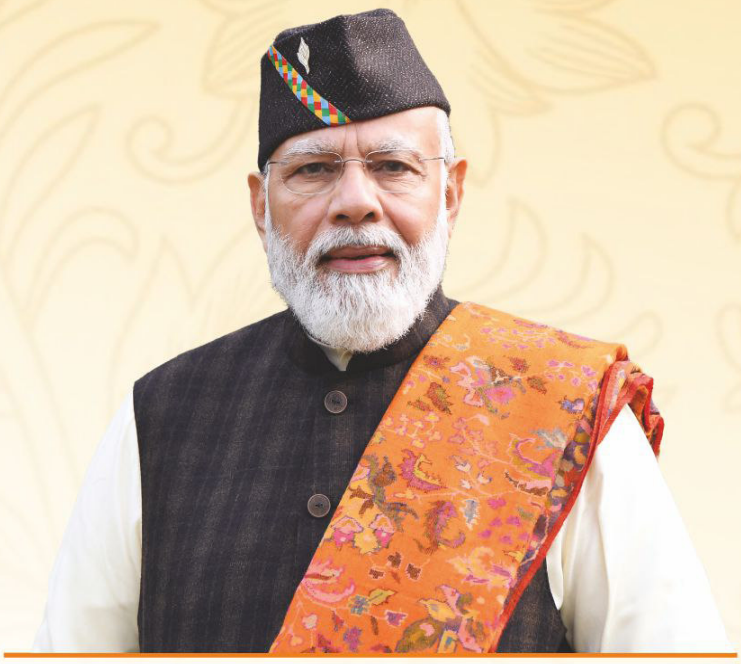

"21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हरसंभव प्रयास।
आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

"प्रधानमत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में उत्तराखण्ड समय के साथ परिवर्तनकारी विकास का साक्षी बन रहा है। अत्याधुनिक रोपवे परियोजनाओं के साथ-साथ रेलवे, सड़क और हवाई संपर्क की दिशा में प्रगति हो रही है। इससे उत्तराखण्ड में यात्रा और पर्यटन के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आ रहे हैं। ये बदलाव न केवल पर्यावरण अनुकूल हैं, बल्कि कुशल परिवहन भी सुनिश्चित करते हैं। ये राज्य की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देते हैं। आध्यात्मिक, रोमांचक और सांस्कृतिक पर्यटन के प्रभाव के चलते यह दुनिया भर के आगंतुकों के लिए एक पंसदीदा गंतव्य बन रहा है। हम सतत विकास के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। अपनी प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए एक समृद्ध कल की ओर देख रहे हैं।"

जय हिन्द-जय उत्तराखण्ड

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

विकसित भारत, विकसित उत्तराखण्ड

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर समिट - 2023 के दौरान राज्य सरकार के साथ कुल 3.5 लाख करोड़ रुपये के हुए निवेश समझौते। जिसमें 81 हजार करोड़ के समझौते की ग्राउण्डिंग।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में श्री केदारनाथ धाम का हुआ भव्य एवं दिव्य पुनर्निर्माण कार्य। बद्रीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत विकास कार्य गतिमान।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आदि कैलाश और जागेश्वर धाम के दर्शन के बाद मानसखंड यात्रा को मिली नई पहचान।
- चार धामों की कनेक्टिविटी के लिए ऑल वेदर रोड का हुआ निर्माण। ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेललाइन का निर्माण कार्य तथा टनकपुर-बागेश्वर रेललाइन सर्वे का कार्य गतिमान।
- नैनीताल जिले की बहुद्देशीय जमरानी बांध परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत मिली मंजूरी।
- उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम की लखवाड़ परियोजना को मिली मंजूरी।
- उत्तराखण्ड को दो वंदे भारत ट्रेन की मिली सौगात। देहरादून से दिल्ली एवं देहरादून से लखनऊ का सफ़र हुआ आसान।
- दिल्ली - देहरादून के बीच एलिवेटेड रोड के निर्माण कार्य तेजी से जारी, 2 से 2.5 घंटे में सफर होगा पूरा।
- पर्वतीय क्षेत्रों में रोपवे नेटवर्क निर्माण के लिये पर्वत माला परियोजना को मिली मंजूरी। केदारनाथ, हेमकुंड साहिब एवं पूर्णागिरी मंदिर तक रोपवे के निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास।
- उधमसिंहनगर के किच्छा क्षेत्र में एम्स के सैटेलाइट सेंटर का निर्माण कार्य गतिमान। वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत उत्तराखण्ड के सीमांत गावों का हो रहा चहुँमुखी विकास।
- जौलीग्रांट एयरपोर्ट एवं पंतनगर एयरपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने हेतु कार्य गतिमान।
- प्रधानमंत्री ने दिया वेड - इन - उत्तराखण्ड का मंत्र। जिसके तहत राज्य सरकार नए वेडिंग डेस्टीनेशन का कर रही निर्माण।

नीति आयोग भारत सरकार की ओर से एसडीजी 2023-24 की रिपोर्ट जारी की गई है।
रिपोर्ट में उत्तराखण्ड ने सतत विकास लक्ष्यों की कसौटी पर खरा उतरते हुए पूरे देश में पहला स्थान हासिल किया है।

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी।
www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

शिव कृपा से होता है कल्याण का मार्ग प्रशस्त-स्वामी कैलाशानंद गिरी

हरिद्वार, संवाददाता। श्री दक्षिण काली मंदिर प्रांगण में आयोजित निरंजन पीठाधीश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज की विशेष शिव आराधना पांचवे दिन भी जारी रही। प्रतिवर्ष पूरे सावन मास स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज कठोर शिव साधना करते हैं। जिसमें विभिन्न प्रकार के पुष्पों से शिवलिंग का श्रंग्रार कर वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ सैकड़ों कलश गंगाजल, पंचामृत व विशेष द्रव्यों से भगवान शिव का जलाभिषेक किया जाता हैं। स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज ने कहा कि भगवान शिव की आराधना और पूजन से जीवन बदल जाता है।

शिवकृपा से भक्त के कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कहा कि भगवान नारायण के क्षीर सागर में शयन पर चल जाने के बाद सृष्टि के संचालन का भार भगवान शिव पर आ जाता है। महादेव शिव पूरे सावन हरिद्वार में निवास कर सृष्टि का संचालन करते हैं। सभी को पूरे सावन भगवान शिव की पूजा आराधना अवश्य करनी चाहिए। जो व्यक्ति भगवान शिव की कृपा का पात्र बन जाता है। उसका जीवन स्वयं ही उन्नति की और अग्रसर हो जाता है। भगवान शिव अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण कर सुख समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करते हैं। स्वामी कैलाशानंद गिरी के शिष्य स्वामी अवंतिकानंद ब्रह्मचारी ने कहा कि गुरूदेव की शिव साधना अवश्य ही लोककल्याण का मार्ग प्रशस्त करेगी।

बदरीनाथ हाईवे पर आवाजाही पूरी तरह ठप्प,यात्री फंसे यमुनोत्री हाईवे भी कई जगह बंद

उत्तरकाशी,संवाददाता। राज्य में हो रही भारी बारिश के कारण राज्य की तमाम प्रमुख सड़के बंद हो गई है। पहाड़ दरक रहे हैं और भारी मात्रा में मलवा और बड़े-बड़े पत्थरों के सड़कों पर आने से उन्हें हटाने में भी भारी मुश्किलें पेश आ रही है। चारधाम यात्रा मार्गों पर जगह-जगह पहाड़ों के टूटकर गिरने से इन बंद सड़कों में बड़ी संख्या में यात्री फंसे हुए हैं।

यमुनोत्री घाटी में एनएच-94 पर कई जगह हुए भारी भूस्खलन के कारण जगह-जगह सड़कें बंद है और बड़ी संख्या में यात्री फंसे हुए हैं। वही बदरीनाथ हाईवे पर लंगसी और गुलाब कोटी में पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा टूटकर सड़क पर गिर जाने से इस मार्ग पर आवाजाही पूरी तरह से ठप हो गई है। इस मार्ग पर इतने बड़े-बड़े पत्थर सड़क पर आ गए हैं कि जिन्हें हटाने में जेसीबी भी फेल साबित हो गई है। भले ही कहा तो यही जा रहा है कि आज शाम तक बदरीनाथ हाईवे को खोल दिया जाएगा, लेकिन इसे खोलने में कई दिन का समय भी लग सकता है। ऐसी स्थिति में यात्री इस मार्ग के दोनों ओर फंसे हुए हैं वह कब तक फंसे रहेंगे कुछ नहीं कहा जा सकता है। यमुनोत्री मार्ग को खोलने में इसलिए मुश्किलें आ रही है क्योंकि पहाड़ से लगातार मलवा और पत्थर आ रहे हैं। उधर अल्मोड़ा से प्राप्त समाचार के अनुसार यहां जागेश्वर और तोला सड़क मार्ग भी भूस्खलन के कारण बंद हो गया है। भारी बारिश के कारण राज्य की सड़कों को सबसे अधिक नुकसान भूस्खन की बढ़ती घटनाओं से हो रहा है। इन सड़कों के बंद होने के साथ-साथ इन पर यात्रा करना अत्यंत ही जोखिमपुर्ण हो गया है। अब तक भूस्खलन की चपेट में आकर दर्जनों वाहन क्षतिग्रस्त हो चुके हैं तथा कई लोगों की जाने जा चुकी है। उधर राज्य में अभी 1 अगस्त से पहले मौसम में किसी भी तरह के बदलाव की संभावना नहीं है। मौसम विभाग के ताजा अपडेट के अनुसार दून, पौड़ी, टिहरी क्षेत्र में भारी से भी भारी बारिश होने की संभावना है। वही चंपावत, नैनीताल, उधम सिंह नगर व हरिद्वार में भी अच्छी बारिश होने की बात कही गई है। थोड़ी राहत की खबर यह है कि गंगोत्री में गंगा का जलस्तर जरूर कम हुआ है।

रोटरी क्लब हरिद्वार ने शुरू किया सेव वाटर अभियान

हरिद्वार। रोटरी क्लब हरिद्वार की और से शहर में सेव वाटर अभियान शुरू किया गया है। रोटरी क्लब के सचिव आलोक सारस्वत ने बताया कि एक महीने से चलाए जा रहे अभियान के तहत कहीं भी पानी की टोंटी या पाईप टूटने और लीकेज की सूचना पर रोटरी क्लब के प्रतिनिधि प्लंबर के साथ मौके पर पहुंचकर समस्या का तत्काल समाधान कर व्यर्थ बह रहे पानी की रोकथाम करते हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत अब तक बहादराबाद, सिंहद्वार और ऋषिकुल चौक सहित कई स्थानों पर पानी व्यर्थ बहने की समस्या का समाधान किया गया है। अभियान निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने लोगों से पानी व्यर्थ बहने की लोकेशन व फोटो भेजने अपील करते हुए कहा कि पानी बहुमूल्य है। इसे व्यर्थ नहीं बहाया जाना चाहिए। सभी को पानी बचाने में अपना सहयोग करना चाहिए।

भाजपा जिला महामंत्री आशुतोष शर्मा श्रम संविदा बोर्ड सदस्य मनोनीत

हरिद्वार। राज्य सरकार द्वारा राज्य श्रम संविदा बोर्ड का पुनर्गठन किया गया है। जिसमें भाजपा जिला महामंत्री आशुतोष शर्मा को सदस्य मनोनीत किया गया है। आशुतोष शर्मा के श्रम संविदा बोर्ड में सदस्य मनोनीत होने पर विघुत विभाग के संविदा कर्मियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनसे शिष्टाचार भेंट कर उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी और अपनी विभागीय समस्याओं से अवगत कराया। आशुतोष शर्मा ने कर्मचारियों पूर्ण सहयोग करने व श्रम बोर्ड की बैठक में उनकी समस्याओं को उठाने का आश्वासन दिया। आशुतोश शर्मा ने कहा कि पूर्व में जो भी अनियमितताएं उपनल संविदा कर्मचारियों के प्रति रही हैं। उन्हें भी दूर कराया जाएगा।

शिष्टाचार भेंट को उपनल संविदा कर्मियों ने बहुत संतोषजनक बताया और कहा कि आशुतोष शर्मा के बोर्ड सदस्य मनोनीत होने से उनकी समस्याएं सरकार तक पहुंचेगी तथा जल्द जल्द उनका निराकरण होगा। भेंट करने वालों में त्रिलोक चन्द्र, मुकेश कुमार वर्मा, ब्रिजेश कुमार शर्मा, श्याम लाल कोहली, नाथीराम, कुंवर पाल, मनोज शर्मा व अन्य कर्मी शामिल रहे।

एवीबीपी और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं के बीच तीखी झड़प

बागेश्वर ।एवीबीपी कार्यकर्ताओं द्वारा गुरु दक्षिणा कार्यक्रम कैंपस में किए जाने का एनएसयूआई ने कड़ा विरोध किया। इस दौरान दोनों संगठनों के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए और नौबत हाथापाई तक आ गई. इस दौरान एक छात्र ने अर्थशास्त्र के प्राध्यापक पर भी हमला कर दिया। कैंपस में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। इसी बीच किसी ने पुलिस को इसकी सूचना दे दी। सूचना के बाद पुलिस उपाधीक्षक व कोतवाल मौके पर पहुंचे और छात्रों को शांत किया। मामले में दोनों पक्ष थाने में तहरीर दी है। अभाविप की ओर से दी गई तहरीर में सौरभ जोशी ने कहा कि उनका बीडी पांडेय कैंपस में गुरु दक्षिणा कार्यक्रम चल रहा था। इस दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ता वहां पहुंचे उनके तथा अर्थशास्त्र विभाग के अतिथि प्राध्यापक अमित जोशी के साथ मारपीट की। उनके कपड़े तक फाड़ दिए। उन्होंने मामले में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

वहीं एनएसयूआई की ओर से पंकज कुमार पूर्व विवि प्रतिनिधि ने भी तहरीर सौंपी है। जिसमें उनका कहना है कि आरएसएस व भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा परिसर में बगैर किसी अनुमति के एक कार्यक्रम चलाया जा रहा था। पूछताछ करने पर उन्होंने हमला कर दिया। साथ ही जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया। गाली-गलौज के साथ धमकी भी दी। उन्होंने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। साथ ही छात्रसंघ अध्यक्ष राहुल कुमार ने भी पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर मामले की जांच की मांग की है। यदि जांच नहीं हुई तो उग्र आंदोलन की बात कही। सीओ अंकित कंडारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

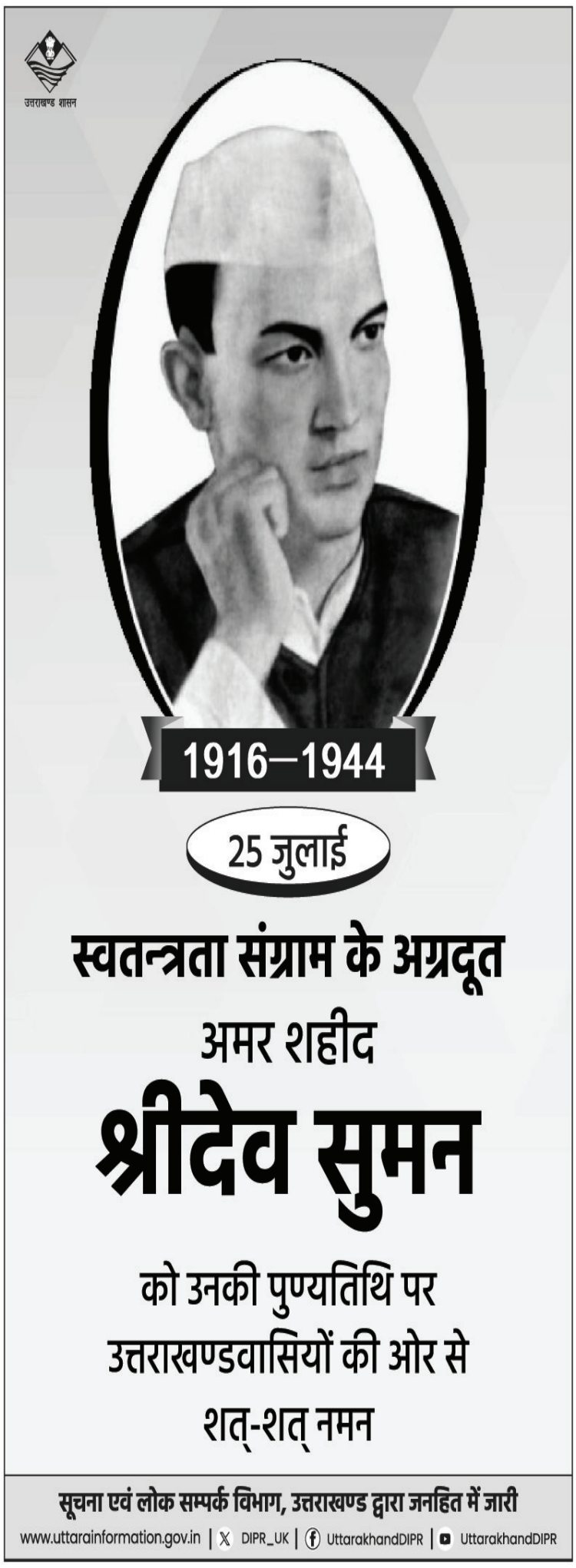

पर्यटन संविदा कर्मचारियों की वरीयता सूची बनाए जाने का मिला आश्वासन

देहरादून(संवाददाता)। पर्यटन निगमों के संविदा कर्मचारियों को नियमित किए जाने की दिशा में केएमवीएन मैनेजमेंट ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है। संयुक्त कर्मचारी महासंघ को एमडी केएमवीएन की ओर से आश्वस्त किया गया है कि शासन स्तर से नियमितीकरण नियमावली जारी होते ही संविदा कर्मचारियों को नियमित कर दिया जाएगा। इसके लिए संविदा कर्मचारियों की वरियता सूची तैयार की जा रही है। महासंघ अध्यक्ष दिनेश गुरुरानी ने कहा कि संविदा कर्मचारियों को नियमित किए जाने को लेकर कर्मचारियों का आंदोलन ३० दिन से जारी है। इस आंदोलन को कर्मचारियों के नियमित होने तक जारी रखा जाएगा। कहा कि महासंघ ने एमडी केएमवीएन डा. संदीप तिवारी को भी अपनी मांगों से अवगत कराया।

स्वामी,मुद्रक व प्रकाशक अवनीश कुमार द्वारा भगवती प्रिंटर्स,इण्डस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार से छपवाकर ग्रा. बसवाखेड़ी पो. मंगलौर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड़) से प्रकाशित किया।
सम्पादकः अवनीश कुमार, मो0 9410553400
ई-मेलः liveskgnews@gmail.com
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार न्यायालय में ही होगा)
सभी लेखों में सम्पादक की सहमति जरूरी नही है।